# पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज

## माघ मेला प्रयागराज में वानिकी चेतना शिविर का समापन समारोह

दिनांक 24.02.2021 को माघमेला-2021 में पारि- पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज द्वारा पर्यावरण जागरूकता हेतु स्थापित 'वानिकी चेतना शिविर' का समापन हुआ। इस अवसर पर 1 माह तक दर्शनार्थियों के मध्य वानिकी को प्रसारित करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु केंद्र के वैज्ञानिकों, कर्मचारियों और अध्येताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किये गए।

साथ ही रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिनमें हास्य कवि सम्मेलन (पुष्पद-2) तथा विद्यार्थियों के बैंड द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियाँ सम्मिलित रहीं । केंद्र प्रमुख डॉ0 संजय सिंह ने समारोह में आए हुए कवियों का स्वागत करते हुए कहा कि काव्य के माध्यम से पर्यावरण

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796 E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

जागरूकता बढ़ाने के लिए उनकी भूमिका की सराहना की। इसी क्रम में डॉ0 सिंह ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा भारत के विभिन्न प्रान्तों में स्थापित संस्थानों व केंद्रों के माध्यम से किए जा रहे कार्यों से भी रूबरू कराया।

कार्यक्रम की मूल भावना को ध्यान में रखते हुए कवि जयप्रकाश की अध्यक्षता तथा आक़िल सुल्तानपुरी के संचालन में विभिन्न कवियों यथा फ़रमूद इलाहाबादी, नाज़िम इलाहाबादी तथा कमल प्रतापगढ़ी ने अपने-अपने भावों में प्रकति प्रेम, वानिकी और पर्यावरण संरक्षण से जुडी कवितायेँ प्रस्तुत कीं। विभिन्न कवियों ने सम्मेलन में आए हुए आगंतुकों तथा अन्य को अपने हास्य कविताओं से गुदगुदाने व हंसाने के साथ-साथ वनों को बढ़ाकर पर्यावरण बचाने पर बल दिया। ख्यात स्टैंड अप कोमेडियन इमरान जाफ़री  लाफ़टर ने अपने अनोखे अन्दाज़ से दर्शकों का ख़ूब मनोरंजन किया।

केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर की अध्यक्ष डॉ0 कुमुद दुबे ने कुछ पंक्तियों द्वारा सभा को संदेश दिया कि यदि समाज वृक्षों को बच्चों के समान समझने लगे तो पर्यावरण को बिना किसी समस्या के बचाया जा सकता है और हम खुली हवा में सांस ले सकते हैं। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 अनीता तोमर ने पर्यावरण को बचाने में वनों के महत्व तथा इससे होने वाले लाभों से अवगत कराया। वैज्ञानिक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी पर जोर देते हुए माघमेला

परिसर में केंद्र द्वारा आयोजित वानिकी चेतना शिविर के उद्देश्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ सत्येंद्र देव शुक्ल के मार्ग दर्शन में विभिन्न शोध अध्येताओं तथा कर्मचारियों द्वारा पूर्ण हुआ। इस अवसर पर अमन मिश्रा, हरिओम शुक्ल, चार्ली मिश्रा, अंकुर श्रीवास्तव, विनीत तिवारी, सत्यव्रत सिंह, फ़राज़ तथा विनय आदि उपस्थित रहे।

3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002
Phone: 0532-2440795; 2440796 E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

**3/1 Lajpatrai Road, New Katra, Prayagraj- 211002**

**Phone: 0532-2440795; 2440796** E mail: dir_csfer@icfre.org; sanjay.drsingh@gmail.com

## वानिकी चेतना शिविर का हास्य कवि सम्मेलन के साथ समापन

# हंसते, गुदगुदाते हुए दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

प्रयागराज | वरिष्ठ संवाददाता

माघ मेला क्षेत्र में पर्यावरण जागरुकता के लिए लगाए गए शिविर का बुधवार को अनूठे अंदाज में समापन हुआ। समापन समारोह में हंसते, गुदगुदाते हुए कवियों ने पर्यावरण बचाने और वन बढ़ाने का का संदेश दिया।

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज की ओर से पर्यावरण जागरूकता के लिए मेला क्षेत्र में लगे वानिकी चेतना शिविर के समापन समारोह में हास्य कवि सम्मेलन (पुष्पद-2)का आयोजन किया गया। इसमें कवियों ने पर्यावरण से जुड़ी कविताएं सुनाईं। पंक्तियों के माध्यम से वन बढ़ाने का आह्वान किया। कवियों ने अपनी पंक्तियों से श्रोताओं को गुदगुदाना शुरू किया तो माहौल होलियारा हो गया। कवि जयप्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित कवि सम्मेलन में फरमूद इलाहाबादी, नाजिम इलाहाबादी, कमल प्रतापगढ़ी ने

माघ मेला क्षेत्र में वानिकी चेतना शिविर के समापन समारोह में उपस्थित अतिथि।

लोटपोट कर देने वाली पंक्तियां सुनाईं। कवियों के साथ इमारन जाफरी ने अनोखे अंदाज में लोगों को हंसाया। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर की अध्यक्ष डॉ कुमुद दुबे ने कुछ पंक्तियों के माध्यम से वृक्षों को बच्चों के समान समझने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होने लगे तो पर्यावरण को बचाने में कोई समस्या नहीं
वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर
को बचाने में वनों के महत
होने वाले लाभों से अव

वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषि वानिकी पर जोर देते हुए माघमेला परिसर में आयोजित शिविर के उद्देश्यों से अवगत कराया। केंद्र के निदेशक डॉ संजय सिंह ने समारोह में आए कवि व अन्य मेहमानों का स्वागत किया डॉ सत्येंद्र दुबे की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम का आकिल सुल्तानपुरी ने

## वानिकी चेतना शिविर का समापन समारोह आयोजित

प्रयागराज(नि.सं)। माघमेला-2021 में पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा पर्यावरण जागरूकता हेतु वानिकी चेतना शिविर के समापन समारोह के अवसर पर हास्य कवि सम्मेलन (पुष्पद-2) का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने समारोह में आये हुए हास्य कवियों का स्वागत करते हुए कहा कि काव्य के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के लिए आपकी भूमिका की सराहनीय है। इसी क्रम में डा0 सिंह ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा भारत के विभिनन्‍प्रान्तों में स्थापित संस्थानों व केन्द्रों के माध्यम से किये जा रहे कार्यों से भी रूबरू कराया। कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए कवि जय प्रकाश की अध्यक्षता तथा अकिल सुल्तानपुरी के संचालन में विभिनन्‍ कवियों यथा फरमूद इलाहाबादी, नाज़िम इलाहाबादी तथा कमल प्रतापगढ़ी ने अपने-अपने भावों में सिरकत किया। विभिनन्‍ कवियों ने सम्मेलन में आये हुए आगन्तुकों तथा अन्य को अपने हास्य कविताओं से गुदगुदाने व

हंसाने के साथ-साथ वनों को बढ़ाकर पर्यावरण को बचाने पर बल दिया। ख्यात स्टैण्डअप कॉमेडियन इमरान जा.फरी लाफ्टर ने अपने अनोखे अन्दाज से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा शिविर की अध्यक्ष डा0 कुमुद दूबे ने कुछ पंक्तियों में सभा को संदेश दिया कि यदि ये समाज वृक्षों को बच्चों के समान समझने लगे तो पर्यावरण को बिना किसी समस्या के बचाया जा सकता है और हम खुली हवा में सांस ले सकते हैं। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पर्यावरण को बचाने में वनों के महत्व तथा इससे होने वाले लाभों से अवगत कराया। वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी पर जोर देते हुए माघमेला परिसर में केन्द्र द्वारा आयोजित वानिकी चेतना शिविर के उद्देश्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला के मार्ग दर्शन में विभिनन्‍शोध अध्येताओं तथा अन्य कर्मचारियों द्वारा पूर्ण हुआ। इस अवसर पर अमन मिश्रा, हरिओम शुक्ला, चार्ली मिश्रा, अंकुर श्रीवास्तव, विनीत तिवारी, सत्यव्रत सिंह, विनय आदि मौजूद रहे।